10 कारतूस

हबीब तनवीर

(जन्म : सन् 1923 ई. : निधन : सन् 2009 ई.)

हबीब तनवीर का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुआ था। नागपुर से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के बाद ब्रिटेन में नाट्य-लेखन का अध्ययन किया। दिल्ली लौटकर नाट्यमंच की स्थापना की। वे नाटककार, कवि, पत्रकार, निर्देशक और अभिनेता जैसी बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे; किन्तु लोकनाट्य उनका मनपसंद क्षेत्र रहा। उनको कई पुरस्कारों, फलोशिप और पद्मश्री से सम्मानित किया गया।

'आगरा बाजार', 'चरनदास चोर', 'देख रहे हैं नैन', 'हिरमा की कहानी' आदि उनके प्रमुख नाटक हैं तथा 'वसंतऋतु का सपना', 'शाजापुरकी शान्तिबाई', 'मिट्टी की गाड़ी' और 'मुद्राराक्षस' अनूदित नाटक हैं।

यहाँ 'कारतूस' एकांकी में वजीर अली नामक एक जाँबाज़ के कारनामों का वर्णन है, जिसका एक मात्र लक्ष्य अंग्रेजों को इस देश से निकालना है। उसने अंग्रेजी हुकूमत की नींद हराम कर रखी थी। वह इतना निडर और दिलेर था कि बटालियन के खेमे में पहुँचकर वह कर्नल पर ऐसा रोष जमाता है कि खुद कर्नल हक्का-बक्का रह जाता है और उसके मुँह से शत्रु की तारीफ निकल पड़ती है।

पात्र : कर्नल, लेफ़्टीनेंट, सिपाही, सवार

अवधि : 5 मिनट

जमाना : सन् 1799

समय : रात्रि का

स्थान : गोरखपुर के जंगल में कर्नल कालिंज के खेमे का अंदरूनी हिस्सा।
(दो अंग्रेज बैठे बातें कर रहे हैं। कर्नल कालिंज और एक लेफ्टीनेंट खेमे के बाहर हैं। चाँदनी छिटकी हुई है। अंदर लैंप जल रहा है।)

कर्नल : जंगल की जिंदगी बड़ी खतरनाक होती है।

लेफ़्टीनेंट : हफ्तों हो गए यहाँ खेमा डाले हुए। सिपाही भी तंग आ गए हैं। ये वज़ीर अली आदमी है या भूत, हाथ ही नहीं लगता।

कर्नल : उसके अफ़साने सुन के रॉबिनहुड के कारनामे याद आ जाते हैं। अंग्रेजों के खिलाफ़ उसके दिल में किस कदर नफ़रत है। कोई पाँच महीने हुकूमत की होगी। मगर इस पाँच महीने में वो अवध के दरबार को अंग्रेजी असर से बिलकुल पाक कर देने में तकरीबन कामयाब हो गया था।

लेफ़्टीनेंट : कर्नल कालिंज; ये सआदत अली कौन है?

कर्नल : आसिफउद्दौला का भाई है। वज़ीर अली का और उसका दुश्मन। असल में नवाब आसिफउद्दौला के यहाँ लड़के की कोई उम्मीद नहीं थी। वज़ीर अली की पैदाइश को सआदत अली ने अपनी मौत खयाल किया।

लेफ़्टीनेंट : मगर सआदत अली को अवध के तख्त पर बिठाने में क्या मस्लेहत थी?

कर्नल : सआदत अली हमारा दोस्त है और बहुत ऐश पसंद आदमी है इसलिए हमें अपनी आधी मुमलिकत (जायदाद, दौलत) दे दी और दस लाख रुपये नगद। अब वो भी मज़े करता है और हम भी।

लेफ़्टीनेंट : सुना है ये वज़ीर अली अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत (आमंत्रण) दे रहा है।

कर्नल : अफ़गानिस्तान को हमले की दावत सबसे पहले असल में टीपू सुल्तान ने दी; फिर वज़ीर अली ने भी उसे दिल्ली बुलाया और फिर शमसुद्दौला ने भी।

लेफ़्टीनेंट : कौन शमसुद्दौला?

कर्नल : नवाब बंगाल का निस्बती (रिश्ते) भाई। बहुत ही खतरनाक आदमी है।

लेफ़्टीनेंट : इसका तो मतलब ये हुआ कि कंपनी के खिलाफ़ सारे हिन्दुस्तान में एक लहर दौड़ गई है।

कर्नल : जी हाँ, और अगर ये कामयाब हो गई तो बक्सर और प्लासी के कारनामे धरे रह जाएँगे और कंपनी जो कुछ लॉर्ड क्लाइव के हाथों हासिल कर चुकी है, लॉर्ड वेल्जली के हाथों सब खो बैठेगी।

लेफ़्टीनेंट : वज़ीर अली की आज़ादी बहुत खतरनाक है। हमें किसी न किसी तरह इस शख़्स को गिरफ़्तार कर ही लेना चाहिए।

कर्नल : पूरी एक फ़ौज लिए उसका पीछा कर रहा हूँ और बरसों से वो हमारी आँखों में धूल झोंक रहा है और इन्हीं जंगलों में फिर रहा है और हाथ नहीं आता। उसके साथ चंद जाँबाज़ हैं। मुट्ठी भर आदमी! मगर ये दमखम है।

लेफ़्टीनेंट : सुना है वज़ीर अली जाती तौर से भी बहुत बहादुर आदमी है।

कर्नल : बहादुर न होता तो यूँ कंपनी के वकील का कत्ल कर देता?

लेफ़्टीनेंट : ये कत्ल का क्या किस्सा हुआ था कर्नल?

कर्नल : किस्सा क्या हुआ था; उसको उसके पद से हटाने के बाद हमने वज़ीर अली को बनारस पहुँचा दिया और तीन लाख रुपया सालाना वज़ीफा मुकर्रर कर दिया। कुछ महीने बाद गवर्नर जनरल ने उसे कलकत्ता (कोलकाता) तलब किया। वज़ीर अली कंपनी के वकील के पास गया जो बनारस में रहता था और उससे शिकायत कि गवर्नर जनरल उसे कलकत्ता में क्यूँ तलब करता है। वकील ने शिकायत की परवाह नहीं की। उलटा उसे बुरा-भला सुना दिया। वज़ीर अली के तो दिल में यूँ भी अंग्रेजों के खिलाफ़ नफ़रत कूट-कूटकर भरी है, उसने खंजर से वकील का काम तमाम कर दिया।

लेफ़्टीनेंट : और भाग गया?

कर्नल : अपने जानिसारों समेत आज़मगढ़ की तरफ़ भाग गया। आज़मगढ़ के हुक्मरानों ने उन लोगों को अपनी हिफ़ाज़त में घाघरा तक पहुँचा दिया। अब ये कारवाँ इन जंगलों में कई साल से भटक रहा है।

लेफ़्टीनेंट : मगर वज़ीर अली की स्कीम क्या है?

कर्नल : स्कीम ये है कि किसी तरह नेपाल पहुँच जाए। अफ़गानी हमले का इंतज़ार करे, अपनी ताकत बढ़ाए, सआदत अली को उसके पद से हटाकर खुद अवध पर कब्ज़ा करे और अंग्रेजों को हिंदुस्तान से निकाल दे।

लेफ़्टीनेंट : नेपाल पहुँचना तो कोई ऐसा मुश्किल नहीं, मुमकिन है कि पहुँच गया हो।

कर्नल : हमारी फ़ौजें और नवाब सआदत अली खाँ के सिपाही बड़ी सख्ती से उसका पीछा कर रहे हैं। हमें अच्छी तरह मालूम है कि वो इन्हीं जंगलों में है। (एक सिपाही तेज़ी से दाखिल होता है।)

कर्नल : (उठकर) क्या बात है?

लेफ़्टीनेंट : दूर से गर्द उठती दिखाई दे रही है।

कर्नल : सिपाहियों से कह दो कि तैयार रहें। (सिपाही सलाम करके चला जाता है।)

लेफ़्टीनेंट : (जो खिड़की से बाहर देखने में मसरूफ़ था) गर्द तो ऐसी उड़ रही है जैसे कि पूरा एक काफ़िला चला आ रहा हो; मगर मुझे तो एक ही सवार नज़र आता है।

कर्नल : (खिड़की के पास जाकर) हाँ एक ही सवार है। सरपट घोड़ा दौड़ाए चला आ रहा है।

लेफ़्टीनेंट : और सीधा हमारी तरफ़ आता मालूम होता है। (कर्नल ताली बजाकर सिपाही को बुलाता है।)

कर्नल : (सिपाही से) सिपाहियों से कहो, इस सवार पर नज़र रखें कि ये किस तरफ़ जा रहा है (सिपाही सलाम करके चला जाता है।)

लेफ़्टीनेंट : शुब्हे की तो कोई गुंजाइश ही नहीं। तेज़ी से इसी तरफ़ आ रहा है। (टापों की आवाज़ बहुत करीब आकर रुक जाती है।)

सवार : (बाहर से) मुझे कर्नल से मिलना है।

कर्नल : (चिल्लाकर) बहुत खूब।

सवार : (बाहर से) सी।

सिपाही : (अंदर आकर) हुज़ूर सवार आपसे मिलना चाहता है।
कर्नल : भेज दो।
लेफ़्टीनेंट : वज़ीर अली का कोई आदमी होगा। हमसे मिलकर उसे गिरफ्तार करवाना चाहता होगा।
कर्नल : खामोश रहो। (सवार सिपाही के साथ अंदर आता है।)
सवार : (आते ही पुकार उठता है) तन्हाई! तन्हाई!
कर्नल : साहब यहाँ कोई गैर आदमी नहीं है। आप राज़ेदिल कह दें।
सवार : दीवार हमगोश दारद, तन्हाई।
(कर्नल लेफ़्टीनेंट और सिपाही को इशारा करता है। दोनों बाहर चले जाते हैं। जब कर्नल और सवार खेमे में तन्हा रह जाते हैं, तो ज़रा वक़्फे के बाद चारों तरफ़ देखकर सवार कहता है)
सवार : आपने इस मुकाम पर क्यों खेमा डाला है?
कर्नल : कंपनी का हुक्म है कि वज़ीर अली को गिरफ्तार किया जाए।
सवार : लेकिन इतना लावलश्कर क्या मायने?
कर्नल : गिरफ्तारी में मदद देने के लिए।
सवार : वज़ीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है साहब।
कर्नल : क्यों?
सवार : वो एक जाँबाज़ सिपाही है।
कर्नल : मैंने भी यह सुन रखा है। आप क्या चाहते हैं?
सवार : चंद कारतूस।
कर्नल : किसलिए?
सवार : वज़ीर अली को गिरफ्तार करने के लिए।
कर्नल : ये लो दस कारतूस
सवार : (मुसकराते हुए) शुक्रिया।
कर्नल : आपका नाम?
सवार : वज़ीर अली। आपने मुझे कारतूस दिए इसलिए आपकी जान बख्शी करता हूँ। (ये कहकर बाहर चला जाता है, टापों का शोर सुनाई देता है। कर्नल एक सन्नाटे में है। हक्का-बक्का खड़ा है कि लेफ़्टीनेंट अंदर आता है)
लेफ़्टीनेंट : कौन था?
कर्नल : (दबी ज़बान से अपने आप से कहता है) एक जाँबाज़ सिपाही।

शब्दार्थ और टिप्पणी

खेमा अस्थायी पड़ाव **अफसाना** कहानी, किस्सा **हुकूमत** सत्ता, शासन **मसलेहत** गुप्त सलाह **दमख़म** ताकत, दृढ़ता **वज़ीफा** पुरस्कार, भेट **काम तमाम कर देना** मार डालना **जानिसार** स्नेहीजन, आत्मीयजन **गर्द** धूल **सरपट** पुरजोश, तेज **शुब्हा** शक **तन्हाई** एकांत **वक्का** आराम, विराम **अंदरुनी** भीतरी **पाक करना** मुक्त करना **तकरीबन** लगभग **ऐश** सुख-भोग, आराम, **जाँबाज** बहादुर, जान की बाजी लगा देनेवाला **जाती तौर पर** व्यकितगत रूप से **मुकर्रर** तप, **तलब करना** आदेश देकर बुलाना **हकमरान** शासक, सत्ताधारी **घाघरा** एक नदी **मुमकीन** संभव **मसरुफ** तल्लीन, व्यस्त **गैर** पराया **राजे दिल** मन की बात **वक़्फे** देर, समय **मुकाम** स्थान, जगह **लाव लश्कर** साधन-सामग्री, सशस्त्र सिपाही **हक्का-बक्का** चकित, भौंचक्का

मुहावरे तथा कहावतें

तंग आना परेशान होना **हाथ न लगना** पकड़ में न आना **धरा रह जाना** व्यर्थ हो जाना, काम न आना **आँखों**

में धूल झोंकना चकमा देना

स्वाध्याय

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर उनके नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर दीजिए :

(1) ''वजीरअली आदमी है या भूत'' यह वाक्य कौन बोलता है?
(क) सिपाही (ख) लेफ़्टीनेंट (ग) कर्नल (घ) सआदत अली

(2) असादत अली ने अपनी आधी जायदाद किसे दे दी?
(क) कर्नल को (ख) रामसुद्दौला को (ग) आसिफ़उदौला को (घ) वजीरअली को

(3) वजीर अली वकील का कत्ल करके कहाँ भाग गया?
(क) अफगानिस्तान (ख) नेपाल (ग) आजमगढ़ (घ) दिल्ली

(4) सवार किससे मिलना चाहता था?
(क) लेफ़्टीनेंट से (ख) कर्नल से (ग) सिपाही से (घ) वजीर अली से

(5) कर्नल ने सवार को कितने कारतूस दिए?
(क) पाँच (ख) बहुत (ग) दस (घ) थोड़े

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-एक वाक्य में लिखिए :

(1) कर्नल कालिंज ने खेमा जंगल में क्यों लगाया था?
(2) सिपाही, वजीर अली से क्यों तंग आ गये थे?
(3) कर्नल ने सिपाही को सवार पर नज़र रखने के लिए क्यों कहा?
(4) कंपनी का क्या हुकम था?
(5) वजीर अली की गिरफ्तारी बहुत मुश्किल है ऐसा सवार ने क्यों कहा?

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-दो वाक्यों में लिखिए :

(1) वजीर अली के अफसाने सुनकर कर्नल को राबिनहुड की याद क्यों आती थी?
(2) सआदत अली कौन था? वह वजीर अली की पैदाइश को अपनी मौत क्यों समझाता था?
(3) सआदत अली को कर्नल ने तख्त पर किस मकसद से बिठाया था?
(4) वकील के कत्ल के बाद वजीर अली ने अपनी सुरक्षा कैसे की?
(5) कर्नल हक्का-बक्का क्यों रह गया?

4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पाँच-छः वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(1) हिन्दुस्तान में कंपनी के खिलाफ लहर है ऐसा लेफ़्टिनेंट को क्यों लगता था?
(2) वजीर अली ने कंपनी के वकील की हत्या क्यों की?
(3) सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?
(4) 'वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था।' - इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

योग्यता-विस्तार

(1) विद्यार्थी प्रवृत्तिः रॉबिनहुड की साहस कथाएँ पढ़िए तथा जानकारी प्राप्त कीजिए।

(2) शिक्षक प्रवृत्तिः

- हबीब तनवीर के नाटकों के बारे में छात्रों को विशेष जानकारी दीजिए।
- एकांकी तथा नाटक का अंतर बताइए।
- इस एकांकी का अपने विद्यालय में मंचन करवाइए।